# समझौता ज्ञापन

## हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

## और

## संजीवनी शारदा केंद्र, आनंद नगर, भोड़ी, जम्मू

यह समझौता ज्ञापन **हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला** की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति और **संजीवनी शारदा केंद्र, जम्मू** की ओर से केंद्र के अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2021 में जनवरी (माह) के 23 (तारीख) को निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हस्ताक्षरित।

1. हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला ने शारदा लिपि में एक वर्षीय कश्मीरी भाषा (शारदा लिपि) में सर्टिफिकेट कोर्स का प्रावधान है। विशविद्यालय भारतीय भाषाओं को उनकी मूल लिपि में प्रसारित करने के कार्य में संलग्न है।
2. संजीवनी शारदा केंद्र, जम्मू एक पंजीकृत न्यास है जिसके कार्यों में से एक प्रमुख कार्य कश्मीरी भाषा का शारदा लिपि में अध्ययन–अध्यापन है। केंद्र ने अब तक लगभग 600 व्यक्तियों को कश्मीरी भाषा का लेखन शारदा लिपि के माध्यम से करने में प्रशिक्षित किया है।
3. संजीवनी शारदा केंद्र हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारदा लिपि के प्रशिक्षण के कार्यक्रम में सहायता प्रदान कर सकता है क्योंकि यह प्रशिक्षण कार्य ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कराया जाता है।
4. इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से शारदा संजीवनी केंद्र हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कश्मीरी भाषा (शारदा लिपि) में सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों को शारदा लिपि के प्रशिक्षण में यथासंभव सहयाता प्रदान करेगा। इसमें रिसोर्स पर्सन (संसाधक), शारदा लिपिा में लिखित कश्मीरी भाषा के गद्य–पद्य को जांचना एवं संबंधित कार्य सम्मिलित हैं।

**(अवतारकृष्ण त्रकरू)**
अध्यक्ष
संजीवनी शारदा केंद्र
आनंद नगर, भोड़ी, जम्मू

**(प्रो० कुलदीप चन्द अग्निहोत्री)**
कुलपति
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
धर्मशाला

साक्षी:
1.
2.
3.
4.